

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

परीक्षा : अप्रैल - २०२६

सत्र - २

विषय : प्राचीन काव्य - (भाग-२) (HDS - 202)

दि.: २५/०४/२०२६

कुल अंक : १००

समय : प्रातः १०.०० से दो. १.००

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

- प्र. १ मीराबाई के इष्टदेव का परिचय लिखते हुए, इष्टदेव के विविध रूपों का सोदाहरण विवेचन कीजिए।
- प्र. २ मीराबाई की भक्तिभावना एवं भक्ति पद्धति को विशद कीजिए।
- प्र. ३ गीति काव्य के तत्त्वों को लिखते हुए, मीराबाई के गीति काव्य-रचना की विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ४ बिहारी के काव्य में अभिव्यक्त सौंदर्य चित्रण का स्वरूप सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ५ कवि बिहारी के काव्य में चित्रित वियोग के प्रकारों को स्पष्ट करते हुए, प्रवास एवं करुण वियोग पर प्रकाश डालिए।
- प्र. ६ बिहारी की भाषा शैली की विशेषताओं का सविस्तार परिचय दीजिए।
- प्र. ७ मराठी संतों की हिंदी रचना के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ८ संत नामदेव के हिंदी पदों की सामान्य प्रवृत्तियों पर सविस्तार प्रकाश डालिए।
- प्र. ९ निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।
- मेरी भव बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ।
जा तन की झाँई परै, स्यामु हरित दुति होइ ।
 - स्याम सुंदर पर वारौ जीवडा डारौ स्याम।
थारे कारण जग जण त्यागौ लोक लाज कुल डारौ।
 - इभै बिठलु, उभै बिठलु, बिठलु बिनु संसार नहीं।
थान धनंतरी नामा प्रणवे, पुरी रहिउ तू सरब मही।
 - आप तरे त्याकि कौन बडाई?
आवरनकु भलो नाम धराई।

प्र. १० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।

- १) मीराबाई की काव्य भाषा
 - २) कवि बिहारी के भक्ति और नीति के दोहे
 - ३) तुकाराम के दार्शनिक विचार
 - ४) नामदेव की हिंदी रचनाओं में दर्शन।
-